Gramin Krishi Mausam Sewa

District Level Agromet Advisory Bulletin
Govind Ballabh Pant University of Agriculture & Technology
Udham Singh Nagar,Pantnagar, Uttarakhand
(Project Sponsored by IMD, Ministry of Earth Sciences, Govt. of India)

Agromet Advisory Bulletin

Date : 15-09-2020

Weather Forecast of NAINITAL(Uttarakhand) Issued On : 2020-09-15(Valid Till 08:30 IST of the next 5 days)

Date (y-m-d)	Rainfall (mm)	Tmax (°C)	Tmin (°C)	RH I (%)	RH II (%)	Wind Speed (kmph)	Wind Direction (Degree)	cloud cover (Octa)
2020-09-16	5.0	23.0	14.0	85	60	6.0	120	3
2020-09-17	5.0	23.0	15.0	85	60	6.0	120	3
2020-09-18	8.0	23.0	15.0	90	60	6.0	120	4
2020-09-19	15.0	22.0	14.0	95	65	6.0	140	6
2020-09-20	12.0	21.0	14.0	95	65	6.0	140	4

Weather Summary/Alert:

Light rain may likely occur in the coming five days. Maximum & minimum temperature may range from 21.0 to 23.0 deg C & 14.0 to 15.0 deg C.

आगामी पांच दिनों में हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 22.0 से 23.0 व 14.0 से 15.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा|

General Advisory:

Farmers are advised to download the "DAMINI App" to get the lightning activity and “Meghdoot App” to get the past week weather, weather forecast, and agromet advisory. DAMINI and Meghdoot App can be downloaded from the google play store (Android users) and App Center (IOS users).

किसान भाई आकाशीय बिजली की गतिविधि प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" और पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें। दामिनी ऐप और मेघदूत ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है|

SMS Advisory:

Light rain may likely occur at some isolated in the coming five days. Heavy rainfall with intense spells likely to occur at isolated places on 18 September.

आगामी पांच दिनों में हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। 18 सितम्बर को कही-कही भारी वर्षा भी हो सकती है।

Crop Specific Advisory:

Crop(Varieties)	Crop Specific Advisory

Crop(Varieties)	Crop Specific Advisory
RICE	In many areas there is a occurrence of Green leaf hopper in paddy crop. To control this disease, immediate spraying of 120 g of pymetrozine 50 % (chess) or 80 g of Dinotefuran 20% (oz shine) with 150 lit water per acre in the affected crop should be done.
	मध्यम उॅचाई वाले क्षेत्रों में फसल में रोग व कीट आने पर आवश्यकतानुसार नियंत्रण उपाय करें। लगभग सभी क्षेत्रों से धान की फसल पर हरा फुदका (ग्रीन लीफ हापर) की समस्या आ रही है। इसके आक्रमण से धान की पत्तियां हल्की पीली पड़ जाती हैं एवं उनका अगला शिरा नारंगी रंग का हो जाता है जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है। यह कीट धान की फसल में टुन्ग्रो वायरस रोग का वाहक भी है। इसके प्रभावी नियंत्रण हेतु पाईमेट्रोजीन 50% (चेस) 120 ग्राम अथवा डिनोटेफ्युरान 20% (ओशीन) 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 150 लीटर पानी के साथ प्रभावित फसल पर तुरन्त छिड़काव करें।
FINGER MILLET	In low and mid hills, harvesting of finger millet should be done in clear weather.
	कम व मध्यम उॅचाई वाले क्षेत्रों में फसल तैयार होने पर मौसम साफ होने पर कटाई कर लें।
RAPESEED	Sowing of short duration variety should be done.
	कम अवधि मे पकने वाली प्रजातियो की बुवाई करें।

Horticulture/vegetables Specific Advisory:

Horticulture/vegetables (Varieties)	Horticulture/vegetables Specific Advisory
CHILLI	If the upper stipe of chilli crop is drying after turning black, then infected branches should be removed by plucking to save the crop and to save the crop from rotting solution of 0.1% Carbendazim should be sprayed.
	मिर्च की फसल में ऊपर से डन्ठल काले पड़कर सूखने की समस्या की निदान हेतु संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा दें एवं फल सड़न की समस्या हेतु कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
APPLE	Picking of Apple fruit should be continued.
	सेब फलो की तुड़ाई जारी रखे।

Livestock Specific Advisory:

Livestock(Varieties)	Livestock Specific Advisory
BUFFALO	Green fodder should be given in less quantity to the animals. It is advised that green fodder should be given to the animals by mixing it in dry fodder. To save the animal from Gal-Ghotu disease, tie them in neat and clean places.
	पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में दें तथा हरे चारे में सूखा चारा मिलाकर दें। पशुओं को गलघोटू रोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें।